गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 27 | गोरखपुर रविवार 28 दिसम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

अंतरराष्ट्रीय अनुदानित धर्मान्तरण रैकेट होगा नेस्तनाबूद : मुख्यमंत्री योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस मंथन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन- 2025 के दूसरे दिन समापन अवसर पर प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से सोशल मीडिया और साइबर क्राइम पर सखघ्त निगरानी रखने के निर्देश दिये। सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द प्रभावित करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा।

पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की ओर से प्रदेश में बढ़ने वाली आतंकी गतिविधियों, नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए सीमा सुरक्षा एवं आतंकवाद निरोधक तंत्र को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने के निर्देश दिये। गो-तस्करी और धर्मांतरण के लिए चलाए जा रहे संगठित गिरोह पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। सोशल मीडिया के दुरुपयोग, दुष्प्रचार, डीपफेक, डार्कवेब, साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस एवं इंटेलिजेंस तंत्र को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले किसी भी आपत्तिजनक कंटेंट पर तत्काल संज्ञान लेकर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जाति या धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने, पुलिस पर दबाव बनाने अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति ढिलाई न बरती जाए। ऐसे पोस्ट, फेक अकाउंट एवं संगठित दुष्प्रचार अभियानों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाए। असामाजिक तत्व महापुरुषों के नाम का दुरुपयोग कर संगठन बनाकर अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को ऐसे संगठनों की पृष्ठभूमि की गहन जांच कर उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने तथा कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने धार्मिक कन्वर्जन को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि बलरामपुर जैसी घटनाएं संकेत हैं कि ऐसे प्रयास संगठित रूप से किए जा रहे हैं।

कुलदीप सेंगर की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची सीबीआई, जस्टिस सूर्यकांत की बेंच करेगी याचिका पर सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें बीजेपी के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा सस्पेंड करने के फैसले को चुनौती दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में सेंगर की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उसे जेल से बाहर आने का रास्ता साफ कर दिया था, जिसे अब सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच करेगी, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने 23 दिसंबर को कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को सस्पेंड कर दिया था। कोर्ट का तर्क था कि सेंगर पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुका है। सेंगर फिलहाल उन्नाव रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहा है। सीबीआई का मानना है कि ऐसे जघन्य अपराध के दोषी को जेल से बाहर रखना न्याय के खिलाफ है।

मन की बात में पीएम ने 2025 की उपलब्धियां गिनाईं...

कहा- ऑपरेशन सिंदूर देश का गर्व बना, अब हम नई उम्मीदों के साथ आगे को बढ़ने तैयार

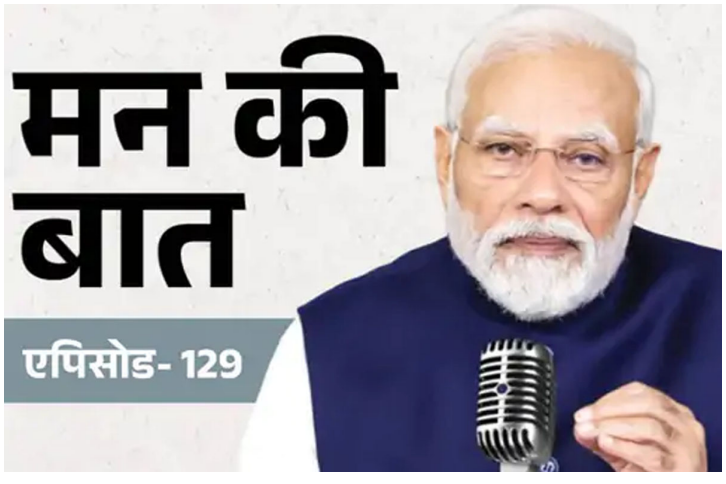

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 129वां एपिसोड 2025 में देश की उपलब्धियों पर चर्चा की। 2025 के आखिरी एपिसोड में नए साल 2026 की चुनौतियों, संभावनाओं, डेवलपमेंट पर भी चर्चा की। पीएम ने कहा- 2025 भारत के लिए गर्व भरे मील के पत्थरों का साल था। चाहे राष्ट्रीय सुरक्षा हो, खेल हो, वैज्ञानिक इनोवेशन हो या दुनिया के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म हों, भारत का असर हर जगह दिखाई दे रहा था। इसके अलावा पीएम मोदी ने खेल, पीएम मोदी ने खेल, वंदेमातरम्, अंतरिक्ष, महाकुंभ, राम मंदिर और 77वें गणतंत्र दिवस पर अपनी बात रखी। इससे पहले 30 नवंबर को मन की बात का 128वां एपिसोड टेलिकास्ट किया गया था। पीएम ने इसमें भारत में खेलों की प्रगति, विंटर टूरिज्म, वोकल फॉर लोकल के साथ ही वाराणसी में होने वाले काशी-तमिल संगमम का जिक्र किया था। पीएम ने कहा ICMR ने हाल ही में रिपोर्ट में बताया कि निमोनिया और UTI जैसी बीमारियों में दवाई कमजोर साबित हो रही हैं। इसकी वजह बिना सोचे दवा का सेवन हैं। आज कल लोग एंटी बायोटिक दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। लोग सोचते हैं कि एक गोली ले लो बीमारी दूर हो जाएगी। मैं अपील करता हूं कि अपने मन से दवाओं का सेवन करने से बचें। इनका इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह से ही करें। मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला में जो ऊंचे-ऊंचे टीले हैं वे प्राकृतिक नहीं इंसानों के बनाए हुए हैं। ये आर्कियोलॉजिस्ट के अध्ययन में पता चला है। उन्होंने कहा कि फ्रांस के म्यूजियम में एक पुराना, धुंधला सा चित्र मिला। जिसमें बारामूला के उस चित्र में तीन बौद्ध स्तूप नजर आ रहे थे। यहीं से कश्मीर का गौरवशाली अतीत हमारे सामने आया। ये करीब दो हजार साल पुराना इतिहास है। कश्मीर के जेहनपोरा का ये बौद्ध परिसर हमें याद दिलाता है, कश्मीर का अतीत क्या था। पीएम ने कहा कि मणिपुर के एक युवा मोइरांगथेम ने बिजली की समस्या से निपटने के लिए सोलर पैनल लगाने का अभियान चलाया और इस अभियान की वजह से आज उनके क्षेत्र के सैकड़ों घरों में सोलर पावर पहुंच गई है।

सम्पादकीय...

लोग वही करने को राजी होते हैं, जो उन्हें दिलचस्प लगता

दिसंबर की कड़ाके की ठंड में अगर दो लोग फुटपाथ पर खड़े होकर कहें कि क्या आप अपनी नाक में रूई का फाहा डालेंगे, तो क्या साइंस की खातिर आप ऐसा करेंगे? शायद हां, या शायद नहीं। लेकिन अगर वे हर फाहे के बदले आपको 50 रुपए दें, तब क्या आप करेंगे? बहुत संभव है, हां। और तब आप घर पहुंचकर यह दावा भी कर सकते हैं कि मैं विज्ञान के लिए ठंड में खड़ा रहा। इस महीने अमेरिका के बोस्टन में दो लोगों ने राहगीरों से यही करने को कहा। इसके लिए उन्होंने न सिर्फ उन्हें दो डॉलर का भुगतान किया, बल्कि ऐसा करने का यह ठोस कारण भी बताया कि वे अगली बड़ी महामारी की जल्दी पहचान में योगदान देने जा रहे हैं। शुरूआत में बहुत कम लोग इसके लिए राजी हुए, लेकिन शाम ढलते-ढलते उनकी संख्या सैकड़ों में पहुंच गई। हर स्वैब के साथ साइमन ग्रिम यह समझने के अपने लक्ष्य के और करीब पहुंचते चले गए कि आबादी में कौन-से रोगाणु घूम रहे हैं। वे सिक्योरबायो में तकनीकी कार्यक्रम प्रबंधक हैं और वैज्ञानिकों की उस टीम का हिस्सा हैं, जो बीमारियों के प्रसार पर नजर रखने के नए तरीके विकसित कर रही है। पिछले 6 महीने से चल रही इस मुहिम में उनकी टीम ने 20,000 डॉलर खर्च करके 10,000 सैम्पल्स एकत्र कर लिए हैं। कोविड की तरह दूसरे रोगाणु भी हवा के जरिए फैलते हैं। वैज्ञानिकों को पता था कि अगर कोई व्यक्ति संक्रमित न हो, तब भी वायरस अकसर उसकी नाक के भीतर बने रहते हैं। पर्याप्त लोगों की जांच करने के बाद ग्रिम और उनकी टीम को यकीन हो गया कि वे स्थानीय आबादी में वायरसों के प्रसार के बारे में ठीक से जानकारियां जुटा सकेंगे। कड़ाके की ठंड के बावजूद कई लोगों ने इस प्रयोग के लिए हां कहा, और महज 2 डॉलर के लिए ही नहीं। डोनर्स के अलग-अलग कारण थे। कुछ ने कहा, मैंने यह कीटाणुओं के फैलाव को रोकने के लिए कियाय कुछ अन्य ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हम सभी सुरक्षित रहेंय वहीं युवा छात्रों का कहना था, हम टीके तैयार करने में मदद करके लोगों की रक्षा करना चाहते हैं। सभी सैम्पल्स स्वेच्छा से और गुमनाम रूप से दिए गए। इसके बाद सैम्पल्स को एक प्रयोगशाला में ले जाया गया, जहां जीन-सीक्वेंसिंग मशीनों ने इन्फ्लुएंजा, पोलियो, कोविड सहित कई संक्रामक वायरसों में पाए जाने वाले जेनेटिक मटैरियल्स की पहचान की। इसके बाद वे ऐसे वायरसों की भी पहचान करेंगे, जो ज्ञात रोगाणुओं के समान नहीं हैं, लेकिन जेनेटिक रूप से उनके इतने निकट जरूर हैं कि उनकी गहन निगरानी की आवश्यकता है। यदि ऐसे नए वायरस स्वैब परीक्षणों में बार-बार सामने आने लगें, तो यह इस बात का स्पष्ट संकेत होगा कि वे आबादी में फैल रहे हैं। यदि यह पद्धति प्रभावी सिद्ध होती है, तो यह भविष्य की महामारियों के लिए एक राष्ट्रीय प्रारम्भिक चेतावनी प्रणाली का हिस्सा बन सकती है। इस सप्ताह मुझे इस गतिविधि की तब याद आई, जब गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मीडिया से कहा कि उनकी सरकार एक्यूआई को सुधारने, सार्वजनिक परिवहन को सुचारु बनाने और अंतरराष्ट्रीय मानकों की खेल सुविधाएं विकसित करने को प्राथमिकता देगी, ताकि 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की अच्छे से मेजबानी की जा सके।

राशिफल

मेषः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बृषभः- शासन-सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः- सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मायावती की सर्वजन राजनीति ने दलितों के आंबेडकरवादी राजनीतिक, सामाजिक और बौद्ध आंदोलनों के साथ क्या किया?

एस आर दारापुरी

मायावती का भारतीय राजनीति में उदय दलित इतिहास का एक असाधारण क्षण था। एक दलित महिला का देश के

सबसे बड़े राज्य की मुख्यमंत्री बनना सत्ता, सम्मान और दृश्यता का प्रतीक था। कांशीराम द्वारा स्थापित बहुजन राजनीतिक ढाँचे के अंतर्गत मायावती की राजनीति ने चुनावी एकीकरण, प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक नियंत्रण पर विशेष बल दिया। किन्तु इन उपलब्धियों के साथ-साथ, मायावती की बहुजन राजनीति ने आंबेडकरवादी राजनीतिक, सामाजिक और बौद्ध आंदोलनों पर गहरे और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव भी डाले। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ा, परंतु आंबेडकरवाद के वैचारिक, सामाजिक सुधारक और नैतिक-धार्मिक आयाम कमजोर होते चले गए। यह आलेख इन प्रभावों का तीन स्तरोंकृराजनीतिक, सामाजिक और बौद्धकृपर आलोचनात्मक विश्लेषण करता है। डॉ. आंबेडकर के लिए राजनीतिक सत्ता सामाजिक लोकतंत्रकृस्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वकृकी स्थापना का साधन थी। मायावती के शासनकाल में आंबेडकरवादी राजनीति धीरे-धीरे सत्ता-केन्द्रित होती गई, जहाँ चुनावी सफलता और प्रशासनिक स्थिरता वैचारिक संघर्ष से अधिक महत्वपूर्ण हो गई। उनका शासन मुख्यतः निम्न माध्यमों से संचालित हुआरू नौकरशाही नियंत्रण कल्याणकारी योजनाएँ एवं प्रतीकात्मक राजनीति परंतु जाति उन्मूलन, संवैधानिक नैतिकता और सामाजिक लोकतंत्र जैसे आंबेडकरवादी प्रश्न पीछे छूटते गए। परिणामस्वरूप दलित राजनीति दृश्य तो हुई, पर वैचारिक रूप से दुर्बल। मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी एक अत्यधिक केंद्रीकृत संगठन बन गईरू नेतृत्व व्यक्तिनिष्ठ हो गया, आंतरिक विमर्श हतोत्साहित हुआ और स्वतंत्र आंबेडकरवादी विचारकों और कैडर नेताओं को हाशिए पर डाल दिया गया आंबेडकर ने शिक्षा, बहस और सामूहिक नेतृत्व को लोकतंत्र की आत्मा माना था। इनके अभाव में जब बसपा का चुनावी पतन हुआ, तो आंदोलन के पास न वैचारिक ऊर्जा बची, न वैकल्पिक नेतृत्व। आंबेडकरवादी राजनीति धीरे-धीरे बसपा के चुनावी प्रदर्शन तक सीमित हो गई। राजनीतिक चेतना चुनावों के साथ बढ़ती-घटती रही। जब पार्टी कमजोर पड़ी, तो आंबेडकरवादी राजनीति भी बिखर गई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि स्वतंत्र वैचारिक संस्थानों का अभाव था। मायावती की सबसे बड़ी उपलब्धि प्रतीकात्मक राजनीति रही जिसमें आंबेडकर व दलित महापुरुषों की मूर्तियाँ, स्मारक और पार्क एवं सार्वजनिक स्थलों पर दलित इतिहास की उपस्थिति मुख्य थी। इससे सम्मान और आत्मगौरव की पुनर्स्थापना हुई। लेकिन इसके साथ-साथरू जन-आधारित शैक्षिक आंदोलन, भूमि सुधार, कानूनी साक्षरता एवं जातीय अत्याचारों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष जैसे कार्यक्रम नहीं विकसित किए गए। परिणामस्वरूप सामाजिक परिवर्तन राज्य-निर्भर और अस्थायी बना रहा। स्वतंत्र दलित सामाजिक आंदोलनों को अक्सर चुनावी अनुशासन के अधीन कर दिया गया। आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और स्वायत्त संघर्षों को राजनीतिक असुविधा मानकर सीमित किया गया। इससे दलित समस्याओं के समाधान को प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित कर दिया गया, सामुदायिक सक्रियता कमजोर हुई एवं दलित जनता सक्रिय कर्ता से निष्क्रिय लाभार्थी में बदलती गई । यह स्थिति आंबेडकर की स्व-संघर्ष की अवधारणा के विपरीत थी। ऊपर सत्ता में प्रतिनिधित्व के बावजूद, नीचे समाज मेंरू जातिगत अपमान, पृथक्करण तथा स्कूलों व गाँवों में भेदभाव जैसी समस्याओं के विरुद्ध सतत राजनीतिक संघर्ष नहीं हुआ। इससे राजनीतिक सत्ता और सामाजिक यथार्थ के बीच गहरी खाई बनी। आंबेडकर के लिए बौद्ध धर्म परिवर्तन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सभ्यतागत क्रांति थाकृजाति-धर्म का अस्वीकार और नई नैतिक व्यवस्था की स्थापना। परंतु मायावती की राजनीति में बौद्ध धमर्रू चुनावी रूप से लाभकारी नहीं माना गया, व्ठब-हिंदू गठबंधनों के लिए जोखिम समझा गया जिसके फलस्वरूपरू बौद्ध शिक्षा संस्थानों को समर्थन नहीं मिला, बड़े स्तर पर धर्मांतरण अभियान नहीं चले एवं बौद्ध बौद्धिक परंपरा ठहराव का शिकार हो गई। राजनीतिक विमर्श में आंबेडकर कोरू संविधान निमार्ता, दलित प्रतीक एवं राष्ट्रीय सुधारक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि हिंदू धर्म की उनकी कट्टर आलोचना और बौद्ध धर्म को अपनाने की क्रांतिकारी दृष्टि को कमतर किया गया। इससे आंबेडकर स्वीकार्य तो बने, पर उनकी वैचारिक धार कुंद हो गई। आंबेडकरवादी बौद्ध धर्म ने दलित राजनीति को नैतिक अनुशासन, तर्कवादी चेतना एवं सार्वभौमिक मानवतावाद प्रदान किया था। इसके हाशियाकरण से राजनीति में नैतिक रिक्तता पैदा हुई, जिसेरू चुनावी अवसरवाद, लोकलुभावन कल्याण एवं व्यक्तिपूजा ने भर दिया। आंबेडकरवादकृजो कभी राजनीति, समाज सुधार और नैतिक पुनर्निर्माण का एकीकृत प्रकल्प थाकृखंडित हो गया।

कुछ खास...

उम्मीद के बीज बोने वाले आदिवासी

मैं कई बार इस अनोखी हरियाली यात्रा को देखने-समझने गया हूं। एक बार मुझे श्रमिक

आदिवासी संगठन के कार्यकर्ता राजेन्द्र गढ़वाल बैतूल जिले के करीब एक दर्जन गांवों और कस्बों में ले गए थे, ये गांव शाहपुर व चिचौली विकासखंड के अंतर्गत आते हैं। पाहावाड़ी, टेटरमाल, डुमका, चूनाहजूरी, पीपलबर्रा, बोड़, चीरापाटला, चिचौली, शाहपुर गया। मौजूदा दौर में देश-दुनिया में जलवायु बदलाव ज्वलंत समस्या मानी जा रही है। यह एक वैश्विक समस्या है, पर हम इसे कम करने के लिए स्थानीय स्तर पर कुछ काम कर सकते हैं। इसके साथ ही हमारे देश में बेरोजगारी भी बड़ी समस्या है। इन दोनों के मद्देनजर मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में आदिवासियों ने पिछले डेढ़ दशक से पेड़ लगाने की पहल की है। आज इस कॉलम में इस पर चर्चा करना चाहूंगा, जिससे पर्यावरण के साथ आजीविका का कैसे संरक्षण किया जा सकता है, इसे समझा जा सके। पेड़ ही भविष्य की उम्मीद हैं। समाजवादी जन परिषद और श्रमिक आदिवासी संगठन के बैनर तले यह अभियान करीब डेढ़ दशक से चल रहा है। इसे हरियाली यात्रा का नाम दिया गया है। बरसों की मेहनत अब रंग लाने लगी है। आदिवासियों के द्वारा रोपे गए पौधे अब फल देने लगे हैं। इन फलों को आपस में बांटकर भी पेड़ लगाने का संदेश दिया जाता है। आदिवासियों ने अपने घर के आसपास, खाली पड़ी जमीन पर, खेतों में और जंगल में फलदार पेड़ लगाए हैं। श्रमिक आदिवासी संगठन के राजेन्द्र गढ़वाल कहते हैं कि फलदार पेड़ हर दृष्टि से उपयोगी हैं। इससे हरियाली बढ़ेगी, कुपोषण दूर होगा, जैव विविधता बचेगी और पर्यावरण भी बचेगा। मिट्टी का कटाव रूकेगा और पानी का संचय होगा। पेड़ों पर पक्षी आएंगे, वे कीट नियंत्रण करेंगे। आदिवासियों के भोजन में पोषक तत्व होंगे, उनका स्वास्थ्य ठीक होगा और इन फलों की बिक्री से आमदनी भी बढ़ेगी। किराने का सामान वे आगे बताते हैं कि इस साल भी यह अभियान चलाया गया। जुलाई से अगस्त तक यह अभियान चलाया गया। इसके तहत गांव, कस्बों और बैतूल जैसे शहर में पेड़ों के साथ रैली निकालकर यह अभियान चलाया गया। रैली में आदिवासी पौधे सजाकर, ढोल-टिमकी के साथ गीत व नारों व पर्चे बांटकर पेड़ लगाने का संदेश देते हैं। उन्होंने बताया कि पेड़ लगाने की मुहिम की तैयारी गर्मी के मौसम से ही शुरू हो जाती है। बीजों को एकत्र करना, उनकी साफ-सफाई करना, उनका रख-रखाव करना और पौधे तैयार करना और फिर उन्हें लगाना। श्रमिक आदिवासी संगठन के कार्यकर्ता राजेन्द्र गढ़वाल बताते हैं कि यहां पहले अच्छा जंगल हुआ करता था। वह आदिवासियों के भूख और जीवन का साथी था। यहां से उन्हें कई तरह के कंद मूल, मशरूम, शहद, अचार, महुआ और हरी पत्तीदार भाजियां मिलती थीं। जंगल ही उनका पालनहार था। अब वैसा जंगल नहीं रहा। गांवों में रोजगार भी नहीं है। मैं कई बार इस अनोखी हरियाली यात्रा को देखने-समझने गया हूं। एक बार मुझे श्रमिक आदिवासी संगठन के कार्यकर्ता राजेन्द्र गढ़वाल बैतूल जिले के करीब एक दर्जन गांवों और कस्बों में ले गए थे, ये गांव शाहपुर व चिचौली विकासखंड के अंतर्गत आते हैं। पाहावाड़ी, टेटरमाल, डुमका, चूनाहजूरी, पीपलबर्रा, बोड़, चीरापाटला, चिचौली, शाहपुर गया।

हमें उनसे बेहतर इंसान मिल गया

दृश्यम 3 को ठुकराने पर प्रोड्यूसर ने अक्षय खन्ना को भेजा लीगल नोटिस

एक्टर अक्षय खन्ना इन दिनों हालिया रिलीज हुई फिल्म धुरंधर को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म में उनके किरदार को खूब पसंद किया जा रहा है। उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्ड वाइड 1000 करोड़ का आंकडा पार कर लिया है। वहीं, धुरंधर की सफलता के बीच एक्टर ने दृश्यम 3श में अपनी डिमांड न पूरी होने के चलते इसे छोड़ने का फैसला कर लिया है। ऐसे अक्षय के फिल्म का ऑफर ठुकराने पर प्रोड्यूसर ने बड़ी बात कही है और बताया कि उन्हें एक बड़े एक्टर ने रिप्लेस कर दिया है। दृश्यम 3 के प्रोड्यूसर कुमार मंगत पाठक ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में कहा-दृश्यम एक बहुत बड़ा ब्रांड है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह फिल्म में है या नहीं। अब, जयदीप अहलावत ने उन्हें रिप्लेस कर दिया है। भगवान की कृपा से हमें अक्षय से बेहतर एक्टर मिला है और सबसे जरूरी बात, हमें अक्षय से बेहतर इंसान भी मिला है। मैंने जयदीप के करियर की शुरूआती फिल्मों में से एक आक्रोश (2010) प्रोड्यूस की थी। प्रोड्यूसर ने आगे कहा, अक्षय खन्ना के बर्ताव की वजह से मुझे नुकसान हुआ है। मैं कानूनी कार्रवाई करने जा रहा हूं। मैंने उन्हें पहले ही लीगल नोटिस भेज दिया है। उन्हें अभी इसका जवाब देना होगा। निमार्ता का आरोप है कि अक्षय ने शूटिंग से सिर्फ 10 दिन पहले फिल्म छोड़ दी, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। कुमार मंगत ने इसे पूरी तरह अनप्रोफेशनल बिहेवियर बताया। अक्षय खन्ना को लंबी बातचीत और फीस पर दोबारा बातचीत के बाद ही फिल्म के लिए साइन किया गया था, जिसका एक एग्रीमेंट भी साइन हुआ था। शुरूआत में अक्षय ने ये शर्त रखी कि वे फिल्म में विग पहनना चाहते हैं, लेकिन निर्देशक अभिषेक पाठक ने उन्हें समझाया कि दृश्यम 3 सीक्वल है और विग से कंटिन्यूटी खराब होगी। इस पर अक्षय ने बात मान ली थी और विग न पहनने के लिए तैयार हो गए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार दृश्यम 3 के लिए अक्षय ने 21 करोड़ रुपये की फीस मांगी थी। इस पर मेकर्स का कहना था कि उनकी फिल्म बजट से बाहर चली जाएगी। ऐसे में दोनों के बीच सहमति नहीं बन सकी और अक्षय ने फिल्म छोड़ दी। बता दें कि दृश्यम 3 अगले साल यानी 2 अक्टूबर, 2026 को हिंदी में रिलीज होने वाली है।

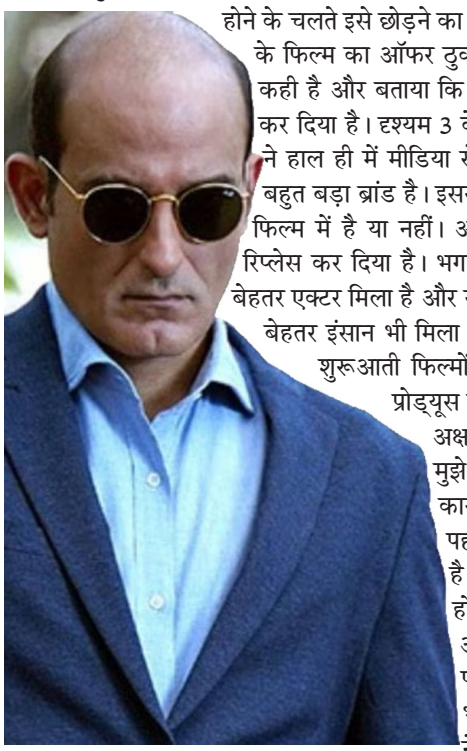

बालों में बो क्लिप लगाकर चहकीं आलिया भट्ट, बैकलेस ब्लैक ड्रेस दिखा हसीना का ग्लैमरस लुक

बॉलीवुड की टैलेंटेड और स्टाइल आइकन मानी जाने वाली आलिया भट्ट एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपने ग्लैमरस लुक से फैंस का दिल जीतती नजर आ रही हैं। फैंस आलिया के इन फोटोज को जमकर लाइक कर रहे हैं और उनकी खूबसूरती, स्टाइल और एक्सप्रेशंस की सराहना करते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में आलिया ब्लैक कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें वह काफी स्टाइलिश और एलिगेंट लग रही हैं। इस लुक को खास बनाने के लिए उन्होंने बालों में बो क्लिप्स का इस्तेमाल किया है। कहीं उन्होंने ग्रीन कलर का बो क्लिप लगाया है, तो कहीं रेड कलर का, जो उनके पूरे लुक में एक फ्रेश और प्लेफुल टच दे रहा है। फोटोज में आलिया अपने हेयरस्टाल को हाइलाइट करते हुए पोज दे रही हैं। लाइट मेकअप और न्यूड लिपस्टिक उनकी खूबसूरती को और निखार रही है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए आलिया भट्ट ने कैप्शन में लिखा, बोज का फेज चल रहा है। आलिया भट्ट का यह नया लुक सोशल मीडिया पर खूब छाया हुआ है और एक बार फिर उन्होंने अपने स्टाइल और चार्म से साबित कर दिया है कि क्यों वह बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा और खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

वाई प्लस सिक्योरिटी के साथ देर रात साइकिलिंग पर निकले सलमान खान

60 के एक्टर की एनर्जी और फिटनेस हैरान रह गए फैंस

बॉलीवुड के दबंग एक्टर सलमान खान ने शनिवार, 27 दिसंबर 2025 को अपना 60वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस खास मौके पर उन्हें देश-विदेश से फैंस, दोस्तों और फिल्मी हस्तियों की ओर से ढेरों शुभकामनाएं मिलीं। सोशल मीडिया से लेकर उनके पनवेल स्थित फार्महाउस तक, हर जगह भाईजान के जन्मदिन की धूम देखने को मिली। इसी बीच सलमान खान का फार्महाउस की साइड से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेज रफ्तार में साइकिल चलाते नजर आ रहे हैं। 60 साल की उम्र में भी उनकी एनर्जी और फिटनेस देखकर लोग हैरान रह गए। पनवेल फार्महाउस से सामने आए इस वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान पूरे आत्मविश्वास के साथ साइकिल चलाते दिख रहे हैं। उनके आगे-पीछे कड़ी सिक्योरिटी दिख रही है, जबकि पैपराजी भी उन्हें कैमरे में कैद करने के लिए दौड़ते दिखते हैं। सुपरस्टार का यह बेफिक्र और एनर्जेटिक अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वीडियो में सलमान खान सबसे आगे साइकिल चलाते हुए नजर आते हैं और उनके चारों ओर सिक्योरिटी टीम मौजूद रहती है। खराब रास्ते के बावजूद जिस सहजता और रफ्तार से वह साइकिलिंग कर रहे हैं, उसने लोगों को चैंका दिया है। 60 की उम्र में भी उनकी फिटनेस और स्वैग देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। सलमान खान के इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स लगातार रिएक्शन दे रहे हैं। किसी ने लिखा, 60 की उम्र में भी 26 वाला जोश, गजब की फिटनेस है, तो किसी ने कमेंट किया, भाई तो भाई हैं लव यू भाईजान।

बच्चों की खातिर सुनील शेट्टी ने ठुकराया 40 करोड़ का तंबाकू का एड! कहा-अब तो किसी की हिम्मत नहीं होती..

सुनील शेट्टी भले ही इन दिनों फिल्मों में नजर नहीं आते, लेकिन वे अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में 64 वर्षीय सुनील एक इंटरव्यू में अपने काम और फिटनेस को लेकर कई खुलासे किए। साथ ही एक्टर ने खुलासा किया कि फिटनेस के जुनून के कारण उन्होंने 40 करोड़ का तंबाकू का एड कैंपेन भी ठुकरा दिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने बताया कि साल 2017 में वह पिता वीरप्पा शेट्टी के निधन से वह बुरी तरह टूट गए थे। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से लंबा ब्रेक ले लिया था। वह बोले, 2017 में निधन से पहले पिताजी 2014 से बीमार थे और मैं उनकी देखभाल कर रहा था। मेरी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। मैंने पूरी तरह से काम छोड़ दिया था और फिर उनका निधन हो गया। हालांकि, उसी सुबह मुझे एक हेल्थ शो करने का ऑफर मिला। सुनील शेट्टी ने कहा कि लगभग पांच साल तक काम से दूर रहने के बाद पिता के निधन के दिन ही काम का ऑफर मिलना...उन्हें लगा कि जैसे यह भगवान का इशारा है। वह बोले, श्मैंने इसे एक बुलावा समझा और फिर एक्टिंग में वापसी की और कुछ साउथ की फिल्में कीं। जब आप 6-7 साल का ब्रेक लेते हैं, तो आपको लगता है कि आप अपने काम को नहीं जानते, चीजें बदल गई हैं, और कोई आपको नहीं जानता, सब नए हैं, इसलिए मैं सहज नहीं था। सुनील शेट्टी ने आगे कहा, कोविड महामारी के बाद मैंने खुद को अलग नजरिए से देखना शुरू किया। मैंने खुद को मजबूत बनाया, ट्रेनिंग ली, पढ़ा और बहुत कुछ किया। फिर मुझे खुद पर इतना भरोसा हो गया कि मुझे लगा कि मुझे किसी से वेलिडेशन की जरूरत नहीं है। भगवान और लक्ष्मी जी की कृपा रही है। हर बार मेरी जरूरत के समय दयालु रही हैं। वह बिना मांगे मेरे साथ हैं। इससे एक अलग तरह का आत्मविश्वास मिलता है। उस आत्मविश्वास ने मुझमें सब कुछ बदल दिया। तंबाकू प्रोडक्ट्स के प्रचार करने के बारे में सुनील शेट्टी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऐसे प्रोडक्ट्स का विज्ञापन न करने का फैसला किया है। एक्टर ने बताया कि उन्होंने एक तंबाकू विज्ञापन के लिए 40 करोड़ रुपये का ऑफर भी ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, मुझे एक तंबाकू विज्ञापन के लिए 40 करोड़ रुपये का ऑफर मिला था। मैंने उनकी तरफ देखकर कहा कि क्या आपको लगता है कि मैं पैसे के लालच में आ जाऊंगा? मैं नहीं आऊंगा। शायद मुझे उस पैसे की जरूरत थी, लेकिन नहीं, मैं यह नहीं करूंगा। यह ऐसी चीज है, जिसमें मैं विश्वास नहीं करता। मैं ऐसा कुछ भी नहीं करूंगा, जिससे अहान और अथिया पर दाग लगे। अब तो कोई मेरे पास ऐसे ऑफर लेकर आने की हिम्मत भी नहीं करता।

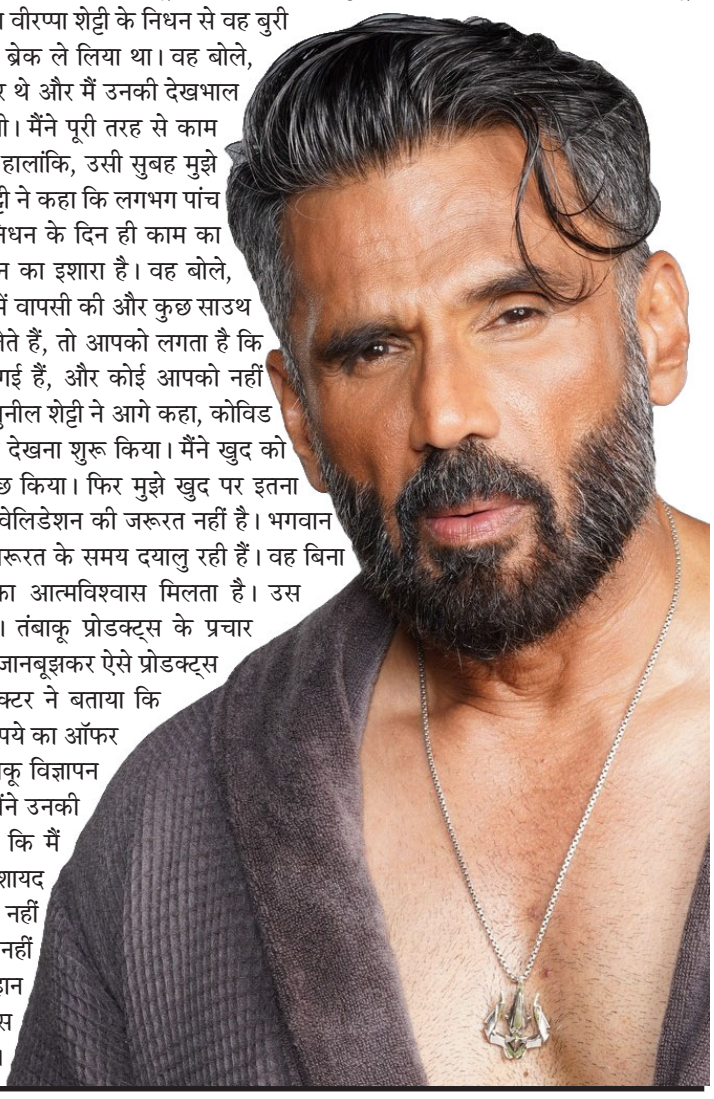

प्लास्टिक की बोतलें सेहत के लिए संकट, आप भी करते हैं इस्तेमाल तो जान लीजिए डराने वाली हकीकत

लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी ने तो हमारी सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित किया ही है, साथ ही पर्यावरणीय स्थितियों ने दोहरी मार दी है। भारत में वायु प्रदूषण एक गंभीर चिंता का कारण बना हुआ है। प्रकाशित एक रिपोर्ट में हमने बताया था कि कोरोना के बाद बढ़ते प्रदूषण की स्थिति को वैज्ञानिकों ने गंभीर स्वास्थ्य संकट बताया था। वायु प्रदूषण के अलावा वातावरण में बढ़ते माइक्रो और नैनोप्लास्टिक के स्तर को लेकर भी स्वास्थ्य विशेषज्ञ अलर्ट कर रहे हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि प्लास्टिक के छोटे कण शरीर में जमा होकर गंभीर बीमारियों को बढ़ाने वाले हो सकते हैं। रोजाना इस्तेमाल की जाने वाली सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों के बढ़ते इस्तेमाल ने इस खतरे को और भी बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों ने सावधान किया है कि अगर समय रहते इसे नियंत्रित न किया गया तो इससे भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो सकता है।

सिंगल-यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान

विशेषज्ञों ने सावधान किया है कि रोजाना इस्तेमाल की जाने वाली सिंगल-यूज पीईटी बोतलों से पैदा होने वाले नैनोप्लास्टिक सीधे इंसानी आंतों, खून और कोशिकाओं के बायोलॉजिकल सिस्टम को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ये अदृश्य कण लंबी अवधि में डीएनए

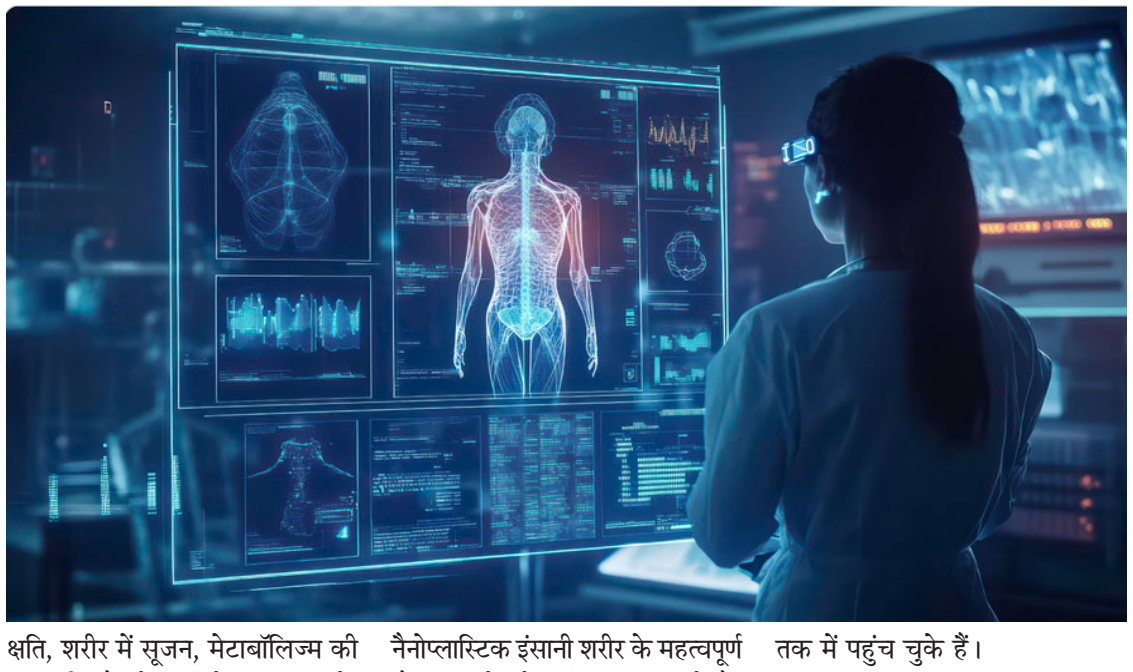

क्षति, शरीर में सूजन, मेटाबॉलिज्म की गड़बड़ी और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए भी खतरा बन सकते हैं। तो अगली बार प्लास्टिक की बोतल का इस्तेमाल करके फेंकने से पहले इससे होने वाले गंभीर खतरों के बारे में सोच लीजिएगा।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

मोहाली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने खुलासा करते हुए कहा है कि सिंगल-यूज पीईटी बोतलों से निकलने वाले नैनोप्लास्टिक इंसानी शरीर के महत्वपूर्ण जैविक तंत्रों को बाधित कर सकते हैं। ये कण आंतों में मौजूद फायदेमंद जीवाणुओं, रक्त कोशिकाओं और एपिथेलियल सेल्स के सामान्य कामकाज को कमजोर करते हैं, जिससे सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अध्ययन के अनुसार ये प्लास्टिक के महीन कण दुनिया के लगभग हर पर्यावरणीय माध्यम हवा, पानी, मिट्टी, समुद्र, नदियों, बादलों तथा इंसानी रक्त और ऊतकों तक में पहुंच चुके हैं।

नैनोप्लास्टिक से गट माइक्रोब्स और इम्युनिटी को खतरा

इससे पहले कई अध्ययन नैनोप्लास्टिक की मौजूदगी पर प्रकाश डाल चुके थे, लेकिन इंसानी शरीर पर इनके जैविक प्रभाव वैज्ञानिकों के लिए अब भी चुनौती थे।

यही कारण है कि नए शोध ने गट माइक्रोब्स यानी आंतों के लाभकारी जीवाणुओं पर इनके प्रभाव को समझने पर जोर दिया। गट माइक्रोब्स प्रतिरक्षा प्रणाली, पाचन, मेटाबॉलिज्म और मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए उनका नुकसान सीधे शरीर को प्रभावित करता है। शोध में पाया गया डीएनए क्षति और मेटाबॉलिज्म गड़बड़ी कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकती है। इसका अर्थ है कि इन अदृश्य कणों का खतरा अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कृषि, पोषण और व्यापक पारिस्थितिक तंत्र पर भी असर डाल सकता है।

संपूर्ण स्वास्थ्य पर असर

दुनियाभर में नैनोप्लास्टिक पर हो रहे हालिया अध्ययनों के अनुसार ये कण सिर्फ पाचन तंत्र ही नहीं बल्कि कार्डियोवेस्कुलर सिस्टम, हार्मोनल बैलेंस और न्यूरोलॉजिकल प्रक्रियाओं तक के लिए मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि नैनोस्तर पर पहुंचकर ये कण कोशिकाओं की मेम्ब्रेन को पार कर सीधे नाभिक तक पहुंच जाते हैं, जिससे डीएनए क्षति और दीर्घकालिक सूजन (क्रॉनिक इन्फ्लेमेशन) का जोखिम बढ़ जाता है।

2025 में बीमारियों के साए में रहे ये सेलिब्रिटीज कैंसर से लेकर इन बीमारियों ने किया परेशान

खट्टी-मीठी यादों के साथ साल 2025

अब अपने आखिरी पड़ाव पर है। कुछ ही दिनों में हम नए साल में प्रवेश कर जाएंगे। ये साल स्वास्थ्य क्षेत्र के लिहाज से काफी मिला-जुला रहा। वैश्विक स्तर पर कई बीमारियों ने लोगों को जहां एक तरफ काफी परेशान किया वहीं वैज्ञानिकों की टीम ने इस साल कई ऐसी खोज भी कीं जिसे भविष्य के लिए काफी उपयोगी माना जा रहा है। इस साल स्वास्थ्य क्षेत्र की कई खबरें सुर्खियों में रहीं। आम लोगों के साथ-साथ कई नामचीन सेलिब्रिटीज भी गंभीर बीमारियों का शिकार हुए। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन से लेकर सलमान खान तक की सेहत के बारे में लोगों ने खूब सर्च किया। अगले साल में प्रवेश करने से पहले आइए नजर डाल लेते हैं कि इस साल कौन से सेलिब्रिटीज अपनी सेहत को लेकर परेशान दिखे?

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को हो गया कैंसर

साल 2025 में जिन सेलिब्रिटीज की बीमारियां सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं उनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन को हुआ कैंसर प्रमुख था। 18 मई को पूर्व राष्ट्रपति के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उनमें 'आक्रमक स्तर' के कैंसर का निदान किया गया है। उन्हें पिछले कुछ समय से मूत्र संबंधी दिक्कतें हो रही थीं जिसके बाद पिछले सप्ताह डॉक्टरों ने जांच के दौरान प्रोस्टेट से संबंधित समस्या का निदान किया। कैंसर कोशिकाएं हड्डियों तक फैल गई थीं। फिलहाल पूर्व राष्ट्रपति की सेहत को लेकर कोई हालिया अपडेट नहीं है?

आरसीबी के गेंदबाज को हार्निया की बीमारी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के गेंदबाज सुयश शर्मा लंबे समय से हर्निया का शिकार थे। फ्रैंचाइजी ने उन्हें आईपीएल 2025 सीजन की शुरूआत से पहले ऑपरेशन के लिए लंदन भेजा था। सुयश शर्मा ने बताया कि 2023 तक वह हार्निया के दर्द को कम करने के लिए इंजेक्शन लेते थे और मैच खेलते थे। उन्हें इस समस्या के बारे में तब तक पता नहीं था जब तक कि आरसीबी ने उन्हें सर्जरी के लिए लंदन नहीं भेजा। सुयश को तीन हर्निया थीं। सर्जरी के बाद अब वह पूरी तरह से ठीक हो गए।

सलमान खान की सेहत को लेकर हुआ खूब सर्च

जून 2025 में द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए सीजन में पहले गेस्ट के रूप में भाग लेने पहुंचे सलमान ने कार्यक्रम के दौरान अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की चर्चा की। अभिनेता ने बताया कि उन्हें ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया, ब्रेन एन्यूरिज्म और एवी मालफॉर्मेशन जैसी गंभीर समस्याएं हैं। सलमान खान ने कहा, ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया की समस्या के कारण उन्हें चेहरे पर अचानक और गंभीर रूप से बिजली के झटके जैसा दर्द होता था। ब्रेन एन्यूरिज्म की समस्या ने उनकी दिक्कतें काफी बढ़ी दी थीं।

यूके के पूर्व प्रधानमंत्री को भी हुआ प्रोस्टेट कैंसर

नवंबर में सामने आई एक रिपोर्ट में यूके के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन के प्रोस्टेट कैंसर का शिकार होने की खबर सामने आई। एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री ने बताया था कि हाल ही में उन्होंने प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन (पीएसए) टेस्ट करवाया था, जिसमें बीमारी के प्रकार से जुड़े प्रोटीन की जांच की जाती है। इस रिपोर्ट में उन्हें प्रोस्टेट कैंसर के बारे में जानकारी मिली, बाद में उनकी बायोप्सी हुई जिससे कैंसर का पता चला।

आयुष्मान खुरान की पत्नी को ब्रेस्ट कैंसर

आयुष्मान खुराना की पत्नी और फिल्म निमार्ता ताहिरा कश्यप इस साल दोबारा ब्रेस्ट कैंसर का शिकार हो गई हैं। ये सात साल में दूसरी बार है जब उन्हें कैंसर हुआ है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, "सात साल की तकलीफ, इरिटेशन या रेगुलर चेकअप और टेस्ट। मेरा राउंड-2 शुरू हो गया है, मैं लोगों को यही सलाह दूंगी कि आप सभी नियमित रूप से मेमोग्राम टेस्ट कराते रहें।

डेंगू और चिकनगुनिया का शिकार हुए युजवेंद्र चहल

दिसंबर 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम के क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को एक साथ डेंगू और चिकनगुनिया हो गया, जिसकी वजह से वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का फाइनल नहीं खेल पाए।

सर्दी-जुकाम होने से पहले शरीर देता है ये संकेत ऐसे में बेहद कारगर होते हैं ये घरेलू उपाय

अक्सर हम सर्दी-जुकाम को तभी गंभीरता से लेते हैं जब हमारी नाक बहने लगती है या बुखार आ जाता है, लेकिन

हकीकत यह है कि शरीर वायरस के हमले के 24 से 48 घंटे पहले ही चेतावनी संकेत देने लगता है। जुकाम की शुरूआत सबसे पहले गले में हल्की खराश, गुदगुदी या निगलने में होने वाली असुविधा से होती है। इसके साथ ही आप अचानक अत्यधिक थकान, बार-बार छींक आना और शरीर में हल्का दर्द महसूस कर सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह 'प्रोड्रोमल चरण' होता है, जहां आपका इम्यून सिस्टम वायरस से लड़ना शुरू कर चुका होता है। अगर इस शुरूआती मोड़ पर ही सही कदम उठा लिए जाएं, तो बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है। आंखों में हल्की जलन नाक के अंदरूनी हिस्से में खुजली और स्वाद या गंध का कम होना भी इस बात का संकेत है कि आपका शरीर संक्रमण की चपेट में आ रहा है। इन संकेतों को पहचानकर तुरंत सतर्क होना ही सर्दी-जुकाम से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है।

अदरक और तुलसी की चाय

जैसे ही आपको गले में खराश महसूस हो, तुरंत अदरक और तुलसी का काढ़ा या चाय पीना शुरू करें। अदरक में 'जिंजरोल' होता है जो सूजन कम करता है, जबकि तुलसी के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। पानी में अदरक, 5-7 तुलसी के पत्ते और काली मिर्च उबालकर पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता तुरंत सक्रिय हो जाती है और वायरस का असर कम होने लगता है।

नमक के पानी के गरारे और भाप

नाक और गले के संक्रमण को रोकने का सबसे सरल और सस्ता उपाय नमक के गुनगुने पानी से गरारे करना है। नमक का पानी गले के ऊतकों से अतिरिक्त तरल और वायरस को खींचकर बाहर निकालता है। इसके साथ ही रात को सोने से पहले सादे पानी की भाप लें। भाप श्वसन मार्ग को नम रखती है और शुरूआती कफ को जमने नहीं देती, जिससे साइनस और सिरदर्द की समस्या नहीं बढ़ती।

शहद और दालचीनी का मिश्रण

आयुर्वेद के अनुसार, शहद और दालचीनी का मेल सर्दी-जुकाम के लिए रामबाण है। एक चम्मच शहद में आधा चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाकर दिन में दो बार लें। शहद गले की झिल्ली को शांत करता है और खांसी को दबाता है, जबकि दालचीनी शरीर के आंतरिक तापमान को बढ़ाकर वायरस को पनपने से रोकती है। यह मिश्रण विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है जिन्हें ठंड जल्दी लगती है।

भरपूर आराम और हाइड्रेशन

जब शरीर संक्रमण के संकेत दे, तो उसे लड़ने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है। ऐसे में 7-8 घंटे की गहरी नींद लें और खुद को पूरी तरह हाइड्रेटेड रखें।

विजय हजारे ट्रॉफी में भावुक पल: रोहित शर्मा की पुराने साथी धवल कुलकर्णी से खास मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी का यह सत्र क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बेहद खास रहा, जब भारतीय क्रिकेट के दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली टूर्नामेंट में खेलते नजर आए। रोहित ने मुंबई का जबकि विराट कोहली ने दिल्ली की टीम का प्रतिनिधित्व किया। दिलचस्प बात यह रही कि दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने पहले मुकाबले में शतक जड़े। रोहित ने सिक्किम के खिलाफ और कोहली ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली।

रोहित की धवल कुलकर्णी से खास मुलाकात

इस टूर्नामेंट के दौरान एक भावुक पल भी देखने को मिला, जब पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी की अपने पुराने मुंबई साथी रोहित शर्मा से मुलाकात हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि ड्रेसिंग रूम में कुलकर्णी ने रोहित से अपने ग्लव पर ऑटोग्राफ देने का अनुरोध किया, जिसे रोहित ने खुशी-खुशी स्वीकार किया। इस पल ने फैंस को भावुक कर दिया। रोहित शर्मा और धवल कुलकर्णी ने लंबे समय तक मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेला है। इसके अलावा दोनों आईपीएल में मुंबई इंडियंस टीम के लिए भी साथ खेल चुके हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित की यादगार वापसी

टूर्नामेंट के पहले मैच में रोहित शर्मा ने सिक्किम के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण की जमकर धुनाई करते हुए 94 गेंदों पर 155 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में 18 चौके और 9 छक्के शामिल थे। मुंबई ने 237 रनों का लक्ष्य महज 30.3 ओवर में हासिल कर लिया। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले को देखने के लिए करीब 20 हजार दर्शक मौजूद थे, जिन्होंने क्रिसमस ईव पर रोहित के तूफानी अंदाज का जमकर आनंद लिया। हालांकि, अगले मैच में उत्तराखंड के खिलाफ रोहित अपना जलवा बरकरार नहीं रख सके और खाता खोले बिना ही आउट हो गए। इस मुकाबले में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 331 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज हार्दिक तमोरे ने 82 गेंदों पर नाबाद 93 रन की अहम पारी खेली, जबकि सरफराज खान (49 गेंदों पर 55 रन) और मुशीर खान (56 गेंदों पर 55 रन) ने भी उपयोगी योगदान दिया। गेंदबाजी में भी मुशीर खान ने 2 विकेट लेकर योगदान दिया। उत्तराखंड की टीम 9 विकेट पर 280 रन ही बना सकी, जिसमें सलामी बल्लेबाज युवराज चौधरी के 96 रन (96 गेंद) प्रमुख रहे। विजय हजारे ट्रॉफी में अपने अभियान के बाद रोहित शर्मा स्वदेश लौट चुके हैं और अब वह 11 जनवरी से शुरू होने वाली भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

केंद्र सरकार ने दो जहाज निर्माण योजनाओं के लिए जारी किए दिशा-निर्देश, 44,700 करोड़ से अधिक का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के समुद्री भविष्य को मजबूत करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जहाज निर्माण से जुड़ी दो अहम योजनाओं के दिशा-निर्देश अधिसूचित कर दिए हैं। इन दोनों योजनाओं पर कुल मिलाकर 44,700 करोड़ से अधिक खर्च किए जाएंगे। इसमें, शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम (SBFAS) और शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (SbDS) शामिल हैं। इनका मकसद देश की घरेलू जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाना और वैश्विक स्तर पर भारत को प्रतिस्पर्धी बनाना है।

जहाज निर्माण पर सीधी आर्थिक मदद

एसबीएफएएस योजना के तहत सरकार 24,736 करोड़ का कोष बनाएगी। इसके अंतर्गत जहाज बनाने पर उसकी श्रेणी के अनुसार 15 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी जाएगी। छोटे, बड़े और विशेष प्रकार के जहाजों के लिए अलग-अलग दरों पर सहायता तय की गई है। यह राशि चरणबद्ध तरीके से, तय माइलस्टोन को पूरा करने पर दी जाएगी। दूसरी योजना एसबीडीएस का बजट ?19,989 करोड़ है। यह योजना भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बुनियादी ढांचे, तकनीक और कौशल विकास पर केंद्रित है।

राष्ट्रीय जहाज निर्माण मिशन

इन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए नेशनल शिपबिल्डिंग मिशन की स्थापना का प्रावधान किया गया है, जिससे योजनाओं में समन्वय और पारदर्शिता बनी रहे।

जहाज तोड़ने पर मिलेगा क्रेडिट

सरकार ने एक नई व्यवस्था भी शुरू की है। इसके तहत भारत में जहाज स्क्रैप कराने वाले जहाज मालिकों को स्क्रैप मूल्य का 40 प्रतिशत क्रेडिट नोट मिलेगा। इससे पुराने जहाजों की रिसाइक्लिंग और नए जहाजों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा और सर्कुलर इकॉनमी को मजबूती मिलेगी।

रोजगार और उद्योग को बड़ा लाभ

सरकारी बयान के मुताबिक, अगले 10 वर्षों में एसबीएफएएस से करीब ?96,000 करोड़ के जहाज निर्माण प्रोजेक्ट्स को समर्थन मिलने की उम्मीद है। इससे देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और समुद्री क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा।

नए क्लस्टर और टेक्नोलॉजी सेंटर

इन योजनाओं के तहत, नए ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर बनाए जाएंगे, मौजूदा शिपयार्ड का आधुनिकीकरण किया जाएगा, इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी में इंडिया शिप टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित होगा, जहां रिसर्च, डिजाइन, नवाचार और स्किल डेवलपमेंट पर काम होगा। ग्रीनफील्ड क्लस्टर को साझा ढांचे के लिए 100 प्रतिशत पूंजी सहायता मिलेगी, जबकि पुराने शिपयार्ड को विस्तार के लिए 25 प्रतिशत तक सहायता दी जाएगी।

दीप्ति शर्मा इतिहास रचने से एक कदम दूर, चौथे टी20 में एक विकेट लेते ही मेगन शट को छोड़ेंगी पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय में इतिहास रचने से एक कदम दूर हैं। दीप्ति इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रही हैं। भारत और श्रीलंका की महिला टीमों के बीच रविवार को तिरुवंनतपुरम में चौथा टी20 मैच खेला जाना है। दीप्ति अगर इस मैच में एक विकेट भी लेने में सफल रहीं तो वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन जाएंगी।

150 विकेट टी20 कविकेट लेने वाली पहली भारतीय हैं दीप्ति

दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार उपलब्धि दर्ज कर ली थी। दीप्ति महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट पूरे करने वाली पहली भारतीय और ओवरऑल कुल दूसरे खिलाड़ी बन गई थीं। दीप्ति से पहले ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। दीप्ति ने तीसरे टी20 मैच में चार ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट झटके थे। अब उनसे चौथे मैच में भी ऐसा ही प्रदर्शन करने की उम्मीद रहेगी।

महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज

दीप्ति के नाम फिलहाल टी20 में 131 मैचों में 151 विकेट हैं। वह संयुक्त रूप से महिला टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट ने भी टी20 में 151 विकेट लिए हैं। अब अगर दीप्ति एक और विकेट हासिल कर लेती हैं तो वह शट से आगे निकल जाएंगी और महिला टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन जाएंगी।

टैरिफ का असर, फिर भी भारत के निर्यात की मजबूत उड़ान; 2026 में भी रफ्तार बरकरार रहने की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 2025 भारत के निर्यातकों के लिए चुनौतियों भरा रहा। अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर करीब 50 प्रतिशत तक ऊंचे टैरिफ लगाए। इसके बावजूद भारत का निर्यात डगमगाया नहीं। नए बाजारों की तलाश, उत्पादों में विविधता और सरकारी समर्थन के सहारे निर्यात ने संतुलन बनाए रखा है। संकेत साफ हैं कि यह गति 2026 में भी जारी रह सकती है।

'व्यापार पानी की तरह होता है'

वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'व्यापार पानी की तरह होता है, वह अपना रास्ता खुद खोज लेता है।'यही बात भारत के निर्यात पर सटीक बैठती है। कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष, रेड सी संकट, सेमीकंडक्टर की कमी और अब अमेरिकी टैरिफ, इन सभी झटकों के बावजूद भारतीय निर्यात ने खुद को संभाला है।

साल-दर-साल भारत का माल निर्यात

आंकड़ों पर नजर डालें तो 2020 में भारत का माल निर्यात 276.5 अरब डॉलर था। यह 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर तक पहुंचा। 2023 में गिरावट आई और निर्यात 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन 2024 में फिर उछाल आया और यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। 2025 में जनवरी से नवंबर तक निर्यात 407 अरब डॉलर हो चुका है।

नए साल में कई देशों के साथ लागू होंगे ऋऊअ

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, 2024-25 में भारत के वस्तु और सेवा निर्यात ने 825.25 अरब डॉलर का ऐतिहासिक स्तर छुआ, जो साल-दर-साल छह प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त है। मौजूदा वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। यह वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूती को दिखाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा रुझानों को देखते हुए 2026 में भी निर्यात में अच्छी वृद्धि की उम्मीद है। अगले साल यूके, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू होंगे, जिससे भारतीय उत्पादों और सेवाओं को नए बाजार मिलेंगे।

सिर्फ सितंबर-अक्तूबर में दिखा अमेरिकी टैरिफ का असर

अमेरिका की तरफ से लगाए गए ऊंचे टैरिफ का असर सितंबर-अक्तूबर 2025 में दिखा, लेकिन नवंबर में अमेरिका को निर्यात 22.61 प्रतिशत बढ़कर 6.98 अरब डॉलर पहुंच गया। यह दिखाता है कि भारतीय निर्यातक हालात के अनुसार खुद को ढाल रहे हैं। हालांकि, वैश्विक हालात को लेकर चिंता बनी हुई है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का अनुमान है कि 2025 में वैश्विक व्यापार 2.4 प्रतिशत बढ़ेगा, लेकिन 2026 के लिए अनुमान घटकर सिर्फ 0.5 प्रतिशत रह गया है। डब्ल्यूटीओ के अनुसार, ऊंचे टैरिफ, नीतिगत अनिश्चितता, विकसित देशों में मांग में कमजोरी और रोजगार व आय की धीमी वृद्धि से व्यापार पर दबाव पड़ सकता है।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए

इसके बावजूद भारत सरकार आशावादी है। सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

गंभीर को लेकर चल रही अटकलों पर बीसीसीआई ने दी प्रतिक्रिया, देवजीत सैकिया ने खबरों को बताया बेबुनियाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर चल रही अटकलों पर अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने प्रतिक्रिया दी है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया का कहना है कि गंभीर को कोच पद से हटाने की खबरें पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। मालूम हो कि हाल ही में ऐसी खबरें आई थी कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हार के बाद बोर्ड के एक अधिकारी ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण से टेस्ट टीम का कोच बनने पर बात की थी।

संक्षिप्त समाचार

दो महीने से गायब नाबालिग, थाने के चक्कर काटता पिता, आखिर कहां है 16 साल की बेटी?

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के थाना हसनगंज क्षेत्र अंतर्गत बाबूगंज चैकी से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां पुलिस पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित पिता का कहना है कि उनकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी को प्रेम जाल में फंसा कर एक युवक करीब दो महीने पहले भगा ले गया, लेकिन आज तक पुलिस उसे बरामद नहीं कर सकी है। पीड़ित के अनुसार, घटना के तुरंत बाद उन्होंने थाना हसनगंज में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मुकदमा तो दर्ज कर लिया, लेकिन इसके बाद किसी ठोस कार्रवाई के संकेत नहीं मिले। न तो आरोपी युवक की गिरफ्तारी हुई और न ही नाबालिग लड़की का कोई सुराग लग पाया। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही और सिर्फ आश्वासन देकर टाल रही है। बताया जा रहा है कि पीड़ित पिता रोज सुबह-शाम थाना और चैकी के चक्कर काटने को मजबूर हैं। लगातार फरियाद करने के बावजूद जब कोई ठोस परिणाम नहीं मिला तो वह पूरी तरह हताश और मानसिक रूप से परेशान हो चुके हैं। परिवार को बेटी की सुरक्षा और उसके भविष्य को लेकर गहरी चिंता सता रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर जारी सख्त निर्देशों के बावजूद सामने आया है। सरकार जहां एक ओर मिशन शक्ति जैसे अभियानों के जरिए बेटियों की सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं जमीनी स्तर पर पुलिस की यह कथित लापरवाही इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। पीड़ित पिता ने प्रशासन और उच्च अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते प्रभावी कार्रवाई होती तो शायद उनकी बेटी सुरक्षित घर लौट आती। फिलहाल हसनगंज पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं और लोग यह पूछने को मजबूर हैं कि आखिर नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून और आदेश कब धरातल पर उतरेंगे।

योगी सरकार के बुलडोजर के सामने चट्टान बनेंगे कार्यकर्ता

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने संगठन को फिर से मजबूत करने और सड़कों पर उतरकर संघर्ष तेज करने का ऐलान किया। पार्टी नेताओं ने साफ शब्दों में कहा कि जहां-जहां योगी सरकार का बुलडोजर चलेगा, वहां कांग्रेस का कार्यकर्ता चट्टान बनकर खड़ा होगा। पार्टी नेताओं ने संगठन को नई धार देने और हर जिले तक कांग्रेस की गूंज पहुंचाने का संकल्प दोहराया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि 140 साल का इतिहास केवल गौरव की बात नहीं, बल्कि जनता के प्रति बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर दोबारा खड़ा किया जाएगा और संगठन को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। जहां भी योगी सरकार का बुलडोजर निर्दोषों को कुचलने का काम करेगा, वहां कांग्रेस का हर कार्यकर्ता चट्टान की तरह खड़ा होकर अन्याय का विरोध करेगा। कांग्रेस नेताओं ने योगी सरकार की बुलडोजर कार्रवाई को सत्ता का दमन करार देते हुए कहा कि कानून के नाम पर गरीबों और कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा रहा है। पार्टी ने साफ किया कि ऐसे मामलों में कांग्रेस न केवल आवाज उठाएगी, बल्कि पीड़ितों के साथ खड़ी होकर कानूनी और राजनीतिक लड़ाई भी लड़ेगी। नेताओं ने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस का आंदोलन सड़क से लेकर सदन तक और तेज होगा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि स्थापना दिवस का यह अवसर पार्टी के लिए आत्ममंथन और नए संकल्प का है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा के साथ खड़ा किया जा रहा है। बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय किया जाएगा, ताकि जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया जा सके। प्रेस वार्ता में नेताओं ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और किसानों की समस्याओं पर कांग्रेस पूरी मजबूती से सरकार को घेरने जा रही है। पार्टी का फोकस गांव, गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं पर रहेगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता के हितों से जुड़े मुद्दों पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और सांसद मौजूद रहे। प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, एआईसीसी सचिव नरवाल, ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी अजय लल्लू, सांसद राकेश राठौर और तनुज पुनिया, मीडिया चेयरमैन सी.पी. राय, प्रदेश प्रवक्ता मनीष हिंदवी, अमित त्यागी, प्रवक्ता अंशु और अशोक पांडे की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी नेताओं ने एक स्वर में संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच संघर्ष तेज करने का संकल्प दोहराया। 140वें स्थापना दिवस के मंच से कांग्रेस ने साफ संकेत दे दिया है कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश की राजनीति में पार्टी ज्यादा आक्रामक भूमिका में नजर आएगी।

लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने मन की बात में पीएम का संबोधन सुना

लखनऊ (संवाददाता)। रविवार को नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात को लखनऊ महानगर के बूथ संख्या 66 पर सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा के साथ प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। इस मौके पर रजनीश गुप्ता, अनिल कश्यप सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2025 को यादगार बताते हुए कहा कि यह साल कई तस्वीरों, चचाओं और उपलब्धियों से भरा रहा, जिसने पूरे देश को एक सूत्र में बांध दिया। उन्होंने कहा कि 2025 ने भारत को ऐसे पल दिए, जिन पर हर भारतीय को गर्व है और पूरे एक साल की स्मृतियां आज मन में घूम रही हैं। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि यह अभियान हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बना। उन्होंने कहा कि दुनिया ने साफ देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। इस ऑपरेशन के दौरान देशभर में मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की भावनाएं अलग-अलग रूपों में सामने आईं। पीएम मोदी ने बताया कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों ने उत्साह के साथ भागीदारी निभाई। हैशटैग वंदे मातरम् 150 के माध्यम से लोगों ने अपने विचार, संदेश और सुझाव साझा किए, जो राष्ट्रीय चेतना और एकता का प्रतीक बने। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 खेलों के लिहाज से भी ऐतिहासिक रहा। पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती, महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया।

यूपी की बेटियां गल्फ कंट्रीज की मार्केट में जमायेगी धाक

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी की बेटियां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

विजन और प्रेरणा से आत्मनिर्भर बन रही हैं, अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी पहचान बनाने को तैयार हैं। मिलेट्स आधारित ऑर्गेनिक फूड स्टार्टअप के जरिए यूपी की दो बेटियों ने ऐसा काम कर दिखाया है, जो प्रदेश की नई उद्यमशील शक्ति का प्रतीक बन रहा है। दिल्ली-एनसीआर में मजबूत पकड़ बनाने के बाद इनका लक्ष्य गल्फ कंट्रीज का बाजार है, जहां ऑर्गेनिक, मिलेट्स उत्पादों की धाक जमाने की तैयारी है। किसानों को प्रशिक्षण देकर प्राकृतिक और रसायन-मुक्त खेती करवाई जा रही है।दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई करने के बाद पारंपरिक करियर की राह छोड़कर गांव लौटने वाली शिखा चैहान और सोम्या सिंह ने सामाजिक उद्यमिता का रास्ता चुना। किसानों, ग्रामीण महिलाओं को साथ लेकर ऑर्गेनिक और मिलेट्स आधारित खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में कदम रखा। उनकी यूनिट में 15 से अधिक महिलाएं उत्पादन, प्रोसेसिंग और पैकेजिंग का जिम्मा संभाल रही हैं। शिखा सिंह चैहान दिल्ली विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट, नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी गांधीनगर, गुजरात से फूड टेक्नोलॉजी में पोस्ट-ग्रेजुएट हैं। सोम्या सिंह डीयू से फूड टेक्नोलॉजी में बी.टेक हैं।सोम्या सिंह ने बताया, राज्य सरकार की नीतियों और एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के सहयोग से प्रोसेसिंग और पैकेजिंग यूनिट का विस्तार हुआ। उत्पादन क्षमता बढ़ी महिला-नेतृत्व वाले एग्रीबिजनेस मॉडल को मजबूती मिली। दिल्ली-एनसीआर में ऑर्गेनिक फूड के बाजार में इनका ब्रांड तेजी से उभरा है।सोहा ऑर्गेनिक्स की को-फाउंडर शिखा सिंह चैहान नागली वाजिदपुर सेक्टर 130, गौतमबुद्ध नगर की रहने वाली हैं। उनकी पार्टनर सोम्या सिंह बागपत की निवासी हैं। रासायनिक खाद्य पदार्थों और उनसे होने वाली समस्याओं से लोगों को बचाने के लिए उन्होंने मिलेट्स-ऑर्गेनिक फूड स्टार्टअप की शुरूआत की। यह स्टार्टअप फार्म-टू-फोर्क मॉडल पर काम करता है। छोटे किसानों से सीधे कच्चा माल खरीदा जाता है और उन्हें उचित मूल्य दिया जाता है। बिचैलियों के हटने से सप्लाई चेन पारदर्शी बनी है, उपभोक्ताओं को शुद्ध, रसायन-मुक्त और पोषण से भरपूर उत्पाद मिल रहे हैं।ऑर्गेनिक दालें, मसाले, घी, मिलेट पास्ता, मिलेट नूडल्स, मल्टीग्रेन और सत्तू चीला समेत तमाम तरह के उत्पाद यहां से सीधे मार्केट में जाते हैं। किसानों को उचित मूल्य दिया जाता है। बड़े पैमाने पर बागपत से खांडसारी शुगर का उत्पाद लोगों के बीच पहुंचाया जाता है।वर्तमान में दिल्ली-एनसीआर के साथ नेफेड को भी उत्पादों की आपूर्ति की जा रही है। सरकारी पोषण कार्यक्रमों के लिए विशेष उत्पाद विकसित करने की दिशा में भी काम चल रहा है, जिससे कमजोर वर्गों तक सुरक्षित पौष्टिक भोजन पहुंच सके।

स्मीयर माइक्रोस्कोपी से छूट जाते हैं कई टीबी केस

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई

लखनऊ (संवाददाता)। ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले डायग्नोस्टिक टेस्ट, स्मीयर माइक्रोस्कोपी की सीमित संवेदनशीलता के कारण बड़ी संख्या में टीबी के मामले बिना पता चले रह जाते हैं। इस बात पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), गोरखपुर द्वारा किए गए और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित हालिया अध्ययन में जोर दिया गया है। यह अध्ययन स्मीयर माइक्रोस्कोपी पर लगातार निर्भरता के बारे में चिंताएँ पैदा करता है, खासकर उन मरीजों में जिनमें बैक्टीरिया का लोड कम होता है, बीमारी शुरूआती दौर में होती है, एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी होती है, या एचआईवी और डायबिटीज जैसी सह-बीमारियाँ होती हैं। इन समूहों में पारंपरिक डायग्नोस्टिक तरीकों से बीमारी का पता न चलने का खतरा ज्यादा होता है, जिससे इलाज में देरी होती है और बीमारी फैलती रहती है। अध्ययन के अनुसार, 4,249 पल्मोनरी और एक्स्ट्रा-पल्मोनरी नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि स्मीयर माइक्रोस्कोपी ने केवल 4.3: मामलों में टीबी का पता लगाया। इसकी तुलना में, ज्तनमछंज माइकोबैक्टीरियम टीबीध्रिफैम्पिसिन (त्थ्) टेस्ट ने 13.7: नमूनों में इन्फेक्शन की पहचान की, जो इसकी बेहतर संवेदनशीलता को दर्शार्ता है। यह अध्ययन समय पर निदान में मदद करने और भारत के टीबी उन्मूलन लक्ष्य के करीब पहुंचने के लिए राष्ट्रीय टीबी कार्यक्रमों के तहत रैपिड मॉलिक्यूलर टेस्टिंग का विस्तार करने की आवश्यकता को मजबूत करता है। सिविल अस्पताल के सीनियर टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष दुबे ने कहा, स्मीयर माइक्रोस्कोपी सस्ती और आसानी से उपलब्ध है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता सीमित है, खासकर शुरूआती बीमारी, एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी, एचआईवी को-इंफेक्शन या डायबिटीज वाले मरीजों में। उन्होंने आगे कहा कि ज्तनमछंज, जो भारत में बना एक चिप-आधारित रियल-टाइम च्ब्त टेस्ट है और ॅभ्व द्वारा समर्थित है, टीबी का तेजी से पता लगा सकता है और रिफैम्पिसिन रेजिस्टेंस की पहचान कर सकता है, जो इस स्टडी में कन्फर्म मामलों में से 5.6: में पाया गया था। डॉ. आशुतोष के अनुसार, सही इलाज शुरू करने और आगे संक्रमण को रोकने के लिए दवा प्रतिरोध का शुरूआती पता लगाना बहुत जरूरी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से सीमित संसाधनों वाले व ज्यादा बोझ वाले क्षेत्रों में टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मजबूत किया जा सकता है। यह अध्ययन राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम के तहत रैपिड मॉलिक्यूलर टेस्टिंग तक पहुंच का विस्तार करने की आवश्यकता को दृढ़ता से मजबूत करती है। जबकि स्मीयर माइक्रोस्कोपी टीबी निदान में भूमिका निभाती रहेगी। विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि केस का पता लगाने और इलाज के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए इसे मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक उपकरणों के साथ पूरक किया जाना चाहिए। डॉ. दुबे ने कहा, पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मजबूत किया जा सकता है, खासकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में।

एसआईआर से बाहर हुए लोगों को एक और मौका!

देना होगा दस्तावेज, डेडलाइन तय

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जिन मतदाताओं के नाम सूची से बाहर हो गए हैं या जिनकी मैपिंग नहीं हो पाई है, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है।निर्वाचन आयोग ऐसे मतदाताओं को अपना नाम वापस जुड़वाने के लिए एक अंतिम मौका अभी देगा। 31 दिसंबर को नई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के प्रकाशन के साथ श्दावा और आपत्तिश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यूपी में इस बार 2003 की आधार सूची से डिजिटल मैपिंग की गई। लाखों वोटर मैपिंग से वंचित रह गए हैं। इसके अलावा, एएसडी श्रेणी एब्सेंटी, शिफ्टेड,डेड यानि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत के तहत बड़ी छंटनी की गई है।यदि नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं है तो घबराएं नहीं। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए अलग अलग टाइमलाइन तय की है। 31 दिसंबर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। 1 से 30 जनवरी तक मतदाता अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं या नए सिरे से नाम जोड़ने का दावा फार्म-6 दाखिल कर सकते हैं। 20 फरवरी तक प्राप्त आपत्तियों और दावों का अंतिम निस्तारण किया जाएगा। जिनको नोटिस मिलेगा या जिनका नाम कट गया है, उन्हें 13 प्रकार के पहचान दस्तावेज जैसे आधार, पैन, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि में किसी एक के जरिए अपनी पहचान साबित करनी होगी। ऑनलाइन या अपने क्षेत्र के बीएलओ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

पत्रकार सुरक्षा बिल सहित पत्रकार हित के अनेक बिन्दुओं पर कार्य कर रहा संगठन

O अपने वजूद को पाने के लिए पत्रकारों को हर हाल में होना होगा एकजुट : पवन गुप्ता

O इंडियन नेशनल जर्नलिस्ट कोऑर्डिनेट कमेटी एंड सोशल मीडिया जर्नलिस्ट फेडरेशन की बैठक

गोरखपुर। संगठन ने पत्रकार हितों के लिए सतत कार्य किया है परिणाम स्वरूप मिडिया से जुड़े लोगों में सुरक्षा का विश्वास जगा है" उक्त बातें प्रिंट्स मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, डिजिटल मीडिया एवं सोशल मीडिया के राष्ट्रीय स्तर के संगठन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति एवं सोशल मीडिया पत्रकार महासंघ के संस्थापक राष्ट्रीय प्रभारी सरदार दिलावर सिंह ने अपने संबोधन में कहीं। वे गोरखपुर के झरखंडी में स्थित आरसीएम पब्लिक स्कूल में आयोजित संगठन की वार्षिक समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकार सुरक्षा बिल सहित पत्रकार हित के कई बिन्दुओं पर संगठन कार्य कर रहा है। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर सतीश चन्द्र शुक्ला ने अब तक के पत्रकार हित में किए कार्यों पर प्रकाश डाला। मण्डल प्रभारी केसी चौधरी ने कहा कि पत्रकार एकता में किए गए कार्यों से आज संगठन चर्चा में रहकर पत्रकारों के सबसे बड़े संगठन के रूप में उभरा है। अपने संबोधन में देवरिया जिलाध्यक्ष श्यामानंद पाण्डेय ने कहा कि आइए हम नवीन सत्र 2026 को संगठन को और ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प करें। हम सब की यही संकल्पना होनी चाहिए। कार्यक्रम में पवन कुमार गुप्ता, रमेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वनाथ उपाध्याय, अनिल कुमार सिंह, पंचानन पाण्डेय, रामेश्वर मिश्रा, कमलेश मणि त्रिपाठी, संगम कुमार त्रिपाठी, सुनील कुमार गुप्ता एडवोकेट, विश्वनाथ उपाध्याय, अमिय नाथ मिश्रा, गणेश उपाध्याय, अंगद कुमार यादव, प्रमोद कुमार पाण्डेय, डॉक्टर राम प्रकाश राव, मृत्युंजय पाण्डेय, मोहम्मद साकिब, जावेद खान, बबलू सिंह प्रजापति, अरविंद कुमार सिंह, सोनू तिवारी, दबीर आलम, अहमद बशीर मोहम्मद, अहमद अजीज खान, सरदार सिमरजीत सिंह, भोजपुरी कवि एवं साहित्यकार शंभू शरण यादव, साहेब राम साहनी, राजन यादव उर्फ अर्थी बाबा, जोगेंद्र साहनी, राम मिलन साहनी, सुनील कुमार पाण्डेय, मुकेश शुक्ला, संजय गिरी आदि अर्थशतक से अधिक पत्रकार उपस्थित थे।

शासन प्रशासन से जानलेवा ठंड को देखते हुए स्कूल कॉलेज को बंद करने की मांग

गोरखपुर। 28 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय सेवा परिषद व डॉक्टर अशोक कुमार श्रीवास्तव फैंस एसोसिएशन के के संयोजक मंजीत कुमार श्रीवास्तव बाबू ने कहा कि कोई अप्रिय घटना घटने से पहले, शासन प्रशासन से मांग करते हुए स्कूल कॉलेजों को जान लेवा ठंड को देखते हुए कुछ दिनों के लिए स्कूल कॉलेजों को बंद करने का निर्देश शासन प्रशासन के जिम्मेदार लोगों को देना चाहिए।

इधर कुछ दिनों से खाश कर गोरखपुर जिले में ठंड का भयानक प्रकोप है,जानलेवा शीतलहर, हाड़ कपा देनी वाली हवा,लगातार तीन दिनों से ओश की बारिश नुमा माहौल को देखते हुए, शासन – प्रशासन को तत्काल प्रभाव से स्कूल कॉलेज बंद करने का आदेश देना चाहिए।

अमान शाह के ताबड़तोड नाबाद 175 रनों के तूफान से अभिषेक यादव और पीयूष यादव के शतकों पर पानी फेरा

हॉक स्पोर्ट्स माउंट लिट्रा जी स्कूल कुसम्ही के मैदान पर चल रहे हॉक स्पोर्ट्स विंटर कप नीना थापा क्रिकेट एकेडमी और हॉक स्पोर्ट्स के बीच पहला मैच खेला गया। जिसमें नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 288 रनों का विशाल स्कोर बनाया। जिसमें अभिषेक यादव ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए मात्र 56 गेंदों पर 5 चौके और 10 छक्के लगाकर नाबाद 104 रनों शतकीय पारी खेला और पीयूष यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 85 गेंदों में 12 चौके और 5 छक्के लगाकर नाबाद 103 रनों की शतकीय पारी खेला। सचिन पाल ने 13 रन, प्रतीक कुमार ने 10 रन और आर्यन चौहान ने 9 रनों का योगदान दिया।

हॉक स्पोर्ट्स कि गेंदबाजी करते हुए पार्थ यादव, धीरज निषाद और आदित्य कुशवाहा ने एक – एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हॉक स्पोर्ट्स ने मात्र 29 ओवरों में ही 291 रन बनाकर 4 विकेट से मैच जीत लिया। जिसमें अमान शाह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए मात्र 88 गेंदों में 18 चौके और 12 छक्के लगाकर 175 रनों की शतकीय पारी खेला और मैच को जिताया। अर्णव निषाद ने नाबाद 22 रनों का पारी खेला, गोलू गुप्ता ने 19 रन, करण कुमार ने 12 रनों का योगदान दिया। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी कि तरफ गेंदबाजी करते हुए महबूब अंसारी ने 3 विकेट, अंकित राजभर, आरुष कुमार और अनूप कुशवाहा ने एक – एक विकेट लिया। इस मैच का प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी अमान शाह दिया गया।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट की जिला व मंडल कार्यकारिणी का हुआ पुनर्गठन

गोरखपुर (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट गोरखपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक नेहरू इंटर कॉलेज बिछिया कॉलोनी गोरखपुर के सभागार में जिला उपाध्यक्ष डॉ क्षमा पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में संघ की जिला कार्यकारिणी व मंडल कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। बैठक में संघ के मुख्य प्रांतीय संरक्षक श्रद्धेय जगदीश पांडेय ठकुराई सहित संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी गण, जनपद व मंडल के पदाधिकारी गण, संगठन के सक्रिय सदस्य गण व इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में जिला कार्यकारिणी के पुनर्गठन पर विचार के दौरान जिला मंत्री डॉ शोभित श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि दिनांक 28 सितंबर 2025 को कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से जिला निर्वाचन का वृहद कार्यक्रम जारी किया गया था।

सिटी डेवलपमेंट प्लान का मॉडल बनेगा विरासत गलियारा: सीएम योगी

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि धर्मशाला बाजार से पांडेयहाता तक बन रहा विरासत गलियारा सिटी डेवलपमेंट प्लान का मॉडल बनेगा। विरासत गलियारा की प्रगति वहां के लोगों के चेहरे के चमक के रूप में दिख रही है। लोगों के चेहरे की यह चमक और प्रसन्नता, अफवाह फैलाने वालों को जवाब है। सीएम योगी ने यह बातें 555.56 करोड़ रुपये की लागत से 3.50 किमी की लंबाई में धर्मशाला बाजार से पाण्डेयहाता तक निमार्णाधीन सड़क चौड़ीकरण की परियोजना ह्यविरासत गलियाराह्ण का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहीं। रविवार शाम उन्होंने विरासत गलियारा के तहत पाण्डेयहाता, नखास चौक के पास और अलीनगर में रुककर निर्माण की प्रगति जानी। इस दौरान उन्होंने ड्राइंग मैप व ले आउट का भी अवलोकन किया और जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि 2.20 किमी तक निर्माण पूरा हो गया है और 1.30 किमी की लंबाई में कार्य शेष है। इस पर मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य तेज करने और गुणवत्ता पर खास जोर देने के निर्देश कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए। चेतावनी भी दी कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही अक्षम्य होगी। कहा कि समय पर काम पूरा न होने को भी लापरवाही माना जाएगा। उन्होंने मार्ग पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करने और तारों को अंडरग्राउंड करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ध्यान रखा जाय कि कहीं भी पानी लगने की समस्या न आने पाए। साथ ही नाले पर समतल स्लैब डालें जाएं ताकि इसका इस्तेमाल फुटपाथ के रूप में हो सके।

बंधु सिंह कामर्शियल कॉम्प्लेक्स व मल्टीलेवल पार्किंग का भी सीएम ने लिया जायजा

विरासत गलियारा का निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घंटाघर में करीब 28 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे बंधु सिहं कामर्शियल कॉम्प्लेक्स व मल्टीलेवल पार्किंग का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कामर्शियल कॉम्प्लेक्स व मल्टीलेवल पार्किंग के ले आउट और ड्राइंग मैप का अवलोकन करने के बाद निर्मित सभी तलों का भ्रमण कर निर्माण को भी देखा। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यहां अमर बलिदानी बंधु सिंह की मूर्ति के लिए भी जगह रखी जाए। ऐसी व्यवस्था रहे कि पहले से होते रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी प्रभाव न आने पाए। मुख्यमंत्री ने कामर्शियल कॉम्प्लेक्स और मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण में तेजी लाते हुए समय सीमा के अंदर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

दक्षिण मध्य रेलवे ने पूर्वोत्तर रेलवे को 48-26 से हराकर जीत लिया चैम्पियनशिप

गोरखपुर (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में 24 से 28 दिसम्बर, 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में आयोजित 73वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप-2025 के अन्तिम दिन 28 दिसम्बर, 2025 को खेले गये फाइनल मैच में दक्षिण मध्य रेलवे ने पूर्वोत्तर रेलवे को 48-26 से हराकर चैम्पियनशिप जीत लिया तथा पूर्वोत्तर रेलवे उपजेता रही। मध्य रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.) को 39-29 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। फाइनल मैच में दक्षिण मध्य रेलवे के नितेश कुमार, नितिन सिंह, नरेन्द्र, रोहित एवं सुमित ने तथा पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान सुनील कुमार तथा प्रवेश, रोहित गुलिया, सुरेन्द्र गिल, आशीष नागर, हिमांशु एवं कर्मवीर ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर ने विजेता, उपजेता तथा प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रही टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी, भारी संख्या में खिलाड़ी एवं पूर्वांचल के कबड्डी प्रेमी उपस्थित थे।इसके पूर्व, 28 दिसम्बर, 2025 को हुये सेमीफाइनल मैचों में पूर्वोत्तर रेलवे ने मध्य रेलवे को कड़े मुकाबले में 37-24 तथा दक्षिण मध्य रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.) को 51-28 से पराजित कर फाइनल के लिये अपनी दावेदारी प्रस्तुत की।मुख्य अतिथि महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक/नरसा उदय बोरवणकर सहित प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ रेल अधिकारियों, क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली से आये खिलाड़ियों, कोच, रेफरी एवं ऑफिशियल्स को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये।

Organization working on numerous issues concerning journalists' welfare, including the Journalist Protection Bill

■ Journalists must unite at all costs to establish their identity : Pawan Gupta

■ Indian National Journalist Coordinate Committee and Social Media Journalist Federation meeting

Gorakhpur. "The organization has continuously worked for the welfare of journalists, and as a result, a sense of security has been instilled among media professionals," said Sardar Dilawar Singh, the founder and national in-charge of the Indian National Journalist Coordinate Committee and Social Media Journalist Federation, a national-level organization of print media, electronic media, digital media, and social media journalists, in his address. He was speaking at the organization's annual review meeting held at RCM Public School in Jharkhandi, Gorakhpur. He said that the organization is working on several issues concerning journalists' welfare, including the Journalist Protection Bill.

"Addressing the meeting, the organization's provincial president, Dr. Satish Chandra Shukla, highlighted the work done so far for the benefit of journalists. Divisional in-charge K.C. Chaudhary said that the work done towards journalist unity has brought the organization into the spotlight and it has emerged as the largest organization of journalists. In his address, Deoria District President Shyamanand Pandey said, "Let us resolve to take the organization to greater heights in the new session of 2026. This should be the resolution of all of us."

"More than fifty journalists were present at the event, including Pawan Kumar Gupta, Ramesh Kumar Srivastava, Vishwanath Upadhyay, Anil Kumar Singh, Panchanan Pandey, Rameshwar Mishra, Kamlesh Mani Tripathi, Sangam Kumar Tripathi, Sunil Kumar Gupta Advocate, Vishwanath Upadhyay, Amiya Nath Mishra, Ganesh Upadhyay, Angad Kumar Yadav, Pramod Kumar Pandey, Dr. Ram Prakash Rao, Mrityunjay Pandey, Mohammad Sakib, Javed Khan, Bablu Singh Prajapati, Arvind Kumar Singh, Sonu Tiwari, Dabir Alam, Ahmed Bashir Mohammad, Ahmed Aziz Khan, Sardar Simarjeet Singh, Bhojpuri poet and writer Shambhu Sharan Yadav, Saheb Ram Sahni, Rajan Yadav alias Arthi Baba, Jogendra Sahni, Ram Milan Sahni, Sunil Kumar Pandey, Mukesh Shukla, Sanjay Giri, etc.

Demand to close schools and colleges due to deadly cold wave

Gorakhpur. Due to the continuously increasing severe cold and deadly cold wave in the district, the demand to close schools and colleges for a few days has intensified. Manjit Kumar Srivastava Babu, convenor of the National Service Council and Dr. Ashok Kumar Srivastava Fans Association, issued a statement in this regard, appealing for priority to be given to the safety of children and young people.

"Manjit Kumar Srivastava said that the current weather is becoming extremely dangerous. For the past few days, several districts of Purvanchal, including Gorakhpur, have been experiencing severe cold. The deadly cold wave, bone-chilling winds, and continuous drizzle-like conditions for the past three days are adversely affecting people's health. In such a situation, going to school and college early in the morning can prove to be extremely risky for young children, teenagers, and the elderly.

"He said that the chances of children falling ill due to this cold spell have increased

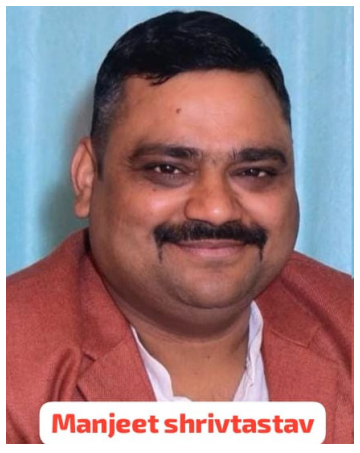

significantly. There is a risk of colds, coughs, fever, pneumonia, and respiratory illnesses. Despite this, if educational institutions remain open, any kind of untoward incident cannot be ruled out. The government and administration should take precautionary measures in time and issue an order to close schools and colleges for a few days.

"The National Service Council and Dr. Ashok Kumar Srivastava Fans Association also demanded that the administration strengthen the arrangements for bonfires in public places to provide relief from the cold. They also demanded that adequate facilities be provided in night shelters and that the distribution of blankets to the poor, helpless, and destitute be expedited. He said that protecting the health of common citizens, along with the safety of children and students, is the primary responsibility of the government.

"Manjit Kumar Srivastava appealed to the administration to take the current cold conditions seriously and make an immediate decision so that the situation can be brought under control before any unfortunate incident occurs. He expressed confidence that the government and administration will prioritize public interest and take positive steps in this direction soon.

What CBI argued in Supreme Court against Kuldeep Singh Sengar's life sentence suspension

New Delhi | Supreme Court, Delhi High Court, Kuldeep Singh SengarKuldeep Singh Sengar was convicted for culpable homicide not amounting to murder in the case of the death of the gangrape victim's father and sentenced to 10 years in prison. After the CBI challenged the order suspending the life term punishment of former BJP MLA Kuldeep Singh Sengar in the Unnao rape case, the Supreme Court on Monday stayed the order. Before the top court, the CBI, represented by Solicitor General of India Tushar Mehta, described the Delhi

High Court's order, suspending the sentence and granting bail as a consequence, as "contrary to law" and "perverse". Notably, the central agency contested the finding that Sengar was not a public servant when he committed the offence. Also Read | Unnao rape case: Why Delhi HC suspended Sengar's sentence, said ex-MLA wasn't a public servant

Key CBI arguments in Supreme Court

1. During Sengar's conviction, the trial court recorded a specific finding that the survivor was 15 years, 10 months, and 13 days of age (less than 16 years of age) on the date of the commission of the offence, in June 2017. The age of the survivor, being below 16 years, is considered by the trial court at the time of sentencing.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।